www.a2zSubjects.com

PAPER-II
HINDI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

J A 0 2 0 1 7

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. ईसा की किस शताब्दी में अपभ्रंश का व्यवहार लोकभाषा के अर्थ में होने लगा ?
(1) पहली शताब्दी (2) छठवीं शताब्दी
(3) नवीं शताब्दी (4) ग्यारहवीं शताब्दी

2. 'पुरुष परीक्षा' किस कवि की रचना है ?
(1) ज्योतिरीश्वर ठाकुर (2) गोरखनाथ
(3) विद्यापति (4) आचार्य देवसेन

3. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वान 'पृथ्वीराज रासो' को सर्वथा अप्रामाणिक ग्रंथ मानने वालों में शामिल नहीं है ?
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या
(3) गौरी शंकर हीरानंद ओझा (4) डॉ. बूलर

4. "मोरा जोबना नवेल रा भयो है गुलाल
कैसे घर दीनी बकस मोरी माल ।"
उक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं :
(1) धर्मदास (2) अमीर खुसरो
(3) दरिया साहब (4) यारी साहब

5. मीराबाई की उपासना किस प्रकार की थी ?
(1) दास्य भाव (2) सख्य भाव
(3) माधुर्य भाव (4) वात्सल्य भाव

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'कबीर ने अपनी साखियों में 'सधुक्कड़ी' भाषा का प्रयोग किया है ।'
'सधुक्कड़ी' से उनका अभिप्राय है :
(1) ब्रजभाषा मिश्रित पूरबी बोली (2) ब्रजभाषा मिश्रित खड़ी बोली
(3) राजस्थानी पंजाबी मिली खड़ी बोली (4) पाँच भाषाओं के मिश्रण वाली भाषा

7. 'सुजान कुमार' किस सूफ़ी प्रेमाख्यान का नायक है ?
(1) मधुमालती (2) चित्रावली
(3) इंद्रावती (4) हंसजवाहिर

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

8. "सखी हौं स्याम रंग रँगी ।
देखि बिकाय गई वह मूरति, सूरत माहिं पगी ।।"
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं ?
(1) हितहरिवंश
(2) गदाधर भट्ट
(3) मीराबाई
(4) जीव गोस्वामी

9. "तिय सैसव जोबन मिले, भेद न जान्यो जात ।
प्रात समय निसि द्योस के दुवौ भाव दरसात ।।"
इस दोहे में नायिका की किस अवस्था का वर्णन किया गया है ?
(1) सद्य: स्नाता
(2) वय: संधि
(3) नवोढ़ा
(4) मानमृदु

10. "जगत जनायो जिहिं सकल, सो हरि जान्यो नाहिं ।
ज्यों आँखिन सब देखियै, आँखि न देखी जाहिं ।।"
उक्त दोहे में कौन-सा अलंकार है ?
(1) दृष्टांत
(2) उदाहरण
(3) उपमा
(4) प्रतिवस्तूपमा

11. मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिभा का विकास सर्वाधिक किस साहित्य - रूप में देखने को मिलता है ?
(1) नाटककार रूप में
(2) प्रबन्धकार रूप में
(3) प्रगीतकार रूप में
(4) मुक्तककार रूप में

12. '......रचना न तो दर्शन है और न किसी ज्ञानी के प्रौढ़ मस्तिष्क का चमत्कार । यह तो अन्तत:, एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय ही है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है ।' – रामधारी सिंह दिनकर द्वारा कहा गया यह कथन उनके किस काव्य के सम्बन्ध में है ?
(1) रश्मिरथी
(2) उर्वशी
(3) कुरुक्षेत्र
(4) परशुराम की प्रतीक्षा

13. "उड़ गया गरजता यंत्र – गरुड़
बन बिंदु, शून्य में पिघल गया
पर साँप ?"
ये पंक्तियाँ 'अज्ञेय' की किस कविता से हैं ?
(1) पहचान
(2) साँप
(3) हरी घास पर क्षण भर
(4) हवाई अड्डे पर विदा

14. 'ठंडा लोहा' कविता-संग्रह के रचनाकार हैं :
(1) धर्मवीर भारती
(2) भारतभूषण अग्रवाल
(3) गिरिजा कुमार माथुर
(4) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

15. उन्नीसवीं शताब्दी के मध्यवर्गीय बनिया समाज के जीवन का यथार्थ चित्रण किस उपन्यास में किया गया है ?

(1) देवरानी जेठानी की कहानी
(2) रानी केतकी की कहानी
(3) वामा शिक्षक
(4) भाग्यवती

16. कामकुंठा की शिकार स्त्री के चरित्र का चित्रण किस उपन्यास में किया गया है ?

(1) ज़िन्दगीनामा
(2) अनित्य
(3) शेषयात्रा
(4) सूरजमुखी अँधेरे के

17. निम्नलिखित में से हिन्दू-मुस्लिम एकता को प्रतिपादित करने वाला कौन-सा नाटक है ?

(1) नीलदेवी
(2) रक्षाबन्धन
(3) सिन्दूर की होली
(4) सगर-विजय

18. निम्नलिखित में से भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का कौन-सा नाटक क्षेमीश्वरकृत 'चंडकौशिक' के आधार पर लिखा गया है ?

(1) सत्य हरिश्चन्द्र
(2) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
(3) विषस्य विषमौषधम्
(4) श्री चन्द्रावली

19. अर्थोपक्षेपक के कितने प्रकार होते हैं ?

(1) पाँच
(2) छ:
(3) सात
(4) आठ

20. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना मैथ्यू ऑर्नाल्ड की नहीं है ?

(1) कल्चर एंड अनार्की
(2) लिट्रेचर एंड ड्रामा
(3) एसेज़ ऑन चर्च एंड स्टेट
(4) द कॉकटेल पार्टी

21. रामवृक्ष बेनीपुरी के अनुसार लेखन-काल की दृष्टि से विद्यापति की रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) कीर्तिलता, भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा, कीर्तिपताका
(2) भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा, कीर्तिलता, कीर्तिपताका
(3) कीर्तिलता, कीर्तिपताका, भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा
(4) पुरुष परीक्षा, भू-परिक्रमा, कीर्तिपताका, कीर्तिलता

22. रचना-काल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) भिखारीदास, चिंतामणि, देव, महाराज जसवंत सिंह
(2) चिंतामणि, देव, भिखारीदास, महाराज जसवंत सिंह
(3) महाराज जसवंत सिंह, चिंतामणि, देव, भिखारीदास
(4) चिंतामणि, महाराज जसवंत सिंह, देव, भिखारीदास

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

23. रचनाकाल के अनुसार श्रीधर पाठक की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) श्रांत पथिक, ऊजड़ ग्राम, एकांतवासी योगी, सांध्य अटन

(2) एकांतवासी योगी, ऊजड़ ग्राम, श्रांत पथिक, सांध्य अटन

(3) ऊजड़ ग्राम, श्रांत पथिक, सांध्य अटन, एकांतवासी योगी

(4) श्रांत पथिक, सांध्य अटन, एकांतवासी योगी, ऊजड़ ग्राम

24. प्रकाशन वर्ष के अनुसार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) गीतिका, अणिमा, अर्चना, आराधना

(2) अणिमा, अर्चना, आराधना, गीतिका

(3) आराधना, अर्चना, अणिमा, गीतिका

(4) अर्चना, आराधना, अणिमा, गीतिका

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार हिन्दी नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) अंधा कुआँ, इक तारे की आँख, बकरी, कोर्ट मार्शल

(2) इक तारे की आँख, बकरी, अँधा कुआँ, कोर्ट मार्शल

(3) बकरी, अंधा कुआँ, कोर्ट मार्शल , इक तारे की आँख

(4) अंधा कुआँ, बकरी, इक तारे की आँख, कोर्ट मार्शल

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) परीक्षा गुरु, भाग्यवती, वामा शिक्षक, रानी केतकी की कहानी

(2) रानी केतकी की कहानी, परीक्षा गुरु, भाग्यवती, वामा शिक्षक

(3) रानी केतकी की कहानी, वामा शिक्षक, भाग्यवती , परीक्षा गुरु

(4) भाग्यवती, परीक्षा गुरु, वामा शिक्षक, रानी केतकी की कहानी

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(1) वाद विवाद संवाद, अधूरे साक्षात्कार, कामायनी : एक पुनर्विचार, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष

(2) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, कामायनी : एक पुनर्विचार, अधूरे साक्षात्कार, वाद विवाद संवाद

(3) कामायनी : एक पुनर्विचार, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, वाद विवाद संवाद, अधूरे साक्षात्कार

(4) अधूरे साक्षात्कार, वाद विवाद संवाद, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, कामायनी : एक पुनर्विचार

28. ऐतिहासिक दृष्टि से निम्नलिखित पाश्चात्य साहित्य चिंतकों का पूर्वापर अनुक्रम है :

(1) अरस्तू – कॉलरिज – मैथ्यू ऑर्नाल्ड – टी.एस. इलियट

(2) टी.एस. इलियट – मैथ्यू ऑर्नाल्ड – कॉलरिज – अरस्तू

(3) कॉलरिज – अरस्तू – टी.एस. इलियट – मैथ्यू ऑर्नाल्ड

(4) मैथ्यू ऑर्नाल्ड – टी.एस. इलियट – अरस्तू – कॉलरिज

29. भरतमुनि के अनुसार नाट्य वृत्तियों का सही क्रम है :

(1) भारती, आरभटी, कैशिकी, सात्वती

(2) सात्वती, कैशिकी, भारती, आरभटी

(3) भारती, सात्वती, कैशिकी, आरभटी

(4) आरभटी, कैशिकी, सात्वती, भारती

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

30. जन्मकाल के अनुसार हिन्दी आलोचकों का सही क्रम है :

(1) नन्ददुलारे वाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा

(2) रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र

(3) नगेन्द्र, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल, रामविलास शर्मा

(4) रामविलास शर्मा, नगेन्द्र, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी

31. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
(a)	हौं सब कबिन्ह केर पछिलगा ।	(i)	कबीरदास
(b)	कबित्त बिवेक एक नहिं मोरे ।	(ii)	जायसी
(c)	प्रभुजी, हौं पतितन कौ टीको ।	(iii)	मलूकदास
(d)	अब तो अजपा जपु मन मेरे । सुर नर असुर टहलुआ जाके मुनि गंध्रब हैं जाके चेरे ।	(iv)	तुलसीदास
		(v)	सूरदास

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(v)	(iv)	(i)	(iii)

32. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
(a)	राउलवेल	(i)	आसगु
(b)	खुमाण रासो	(ii)	डोम्भिबा
(c)	चंदनबाला रास	(iii)	कुक्कुरिया
(d)	योगचर्या	(iv)	रोड कवि
		(v)	दलपत विजय

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(iii)	(ii)	(iv)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी काव्यकृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
(a)	सियारामशरण गुप्त	(i)	मौर्य विजय
(b)	बालकृष्ण शर्मा नवीन	(ii)	राखी की चुनौती
(c)	सुभद्राकुमारी चौहान	(iii)	राष्ट्रीय तरंग
(d)	गयाप्रसाद शुक्ल सनेही	(iv)	विप्लव गायन
		(v)	सतरंगे पंखों वाली

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

34. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
(a)	श्रेय नहीं कुछ मेरा/मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में – वीणा के माध्यम से अपने को मैंने/सब कुछ को सौंप दिया था ।	(i)	मुक्तिबोध
(b)	परम अभिव्यक्ति / लगातार घूमती है जग में / पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ / वह है ।	(ii)	दिनकर
(c)	पर एक तत्त्व है बीज रूप स्थित मन में साहस में, स्वतंत्रता में, नूतन सर्जन में	(iii)	शमशेर
(d)	मैं उनका आदर्श जो व्यथा न खोल सकेंगे पूछेगा जग किन्तु पिता का नाम न बोल सकेंगे ।	(iv)	धर्मवीर भारती
		(v)	अज्ञेय

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

www.a2zSubjects.com

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		**सूची – II**	
(a)	मधूलिका	(i)	शिवमंगल सिंह सुमन
(b)	प्रभातफेरी	(ii)	सियारामशरण गुप्त
(c)	प्रण-भंग	(iii)	रामेश्वर शुक्ल अंचल
(d)	काठमांडू की पहली सांझ	(iv)	नरेन्द्र शर्मा
		(v)	रामधारीसिंह दिनकर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(2)	(v)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

36. निम्नलिखित उपन्यासों को उनकी विषय-वस्तु के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		**सूची – II**	
(a)	अपना मोर्चा	(i)	औपनिषदिक आख्यान
(b)	मुझे चाँद चाहिए	(ii)	छात्र आंदोलन
(c)	दिलो दानिश	(iii)	रंगमंच और सिनेमा संसार
(d)	अनामदास का पोथा	(iv)	मुस्लिम संस्कृति
		(v)	सांप्रदायिक संघर्ष

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(v)	(ii)

37. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		**सूची – II**	
(a)	मालविका	(i)	सूर्यमुख
(b)	मल्लिका	(ii)	देहान्तर
(c)	वेनुरति	(iii)	चन्द्रगुप्त
(d)	देवयानी	(iv)	शस्त्र संतान
		(v)	आषाढ़ का एक दिन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

38. निम्नलिखित आलोचना-ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		सूची – II	
(a)	साहित्य क्यों	(i)	विश्वनाथ त्रिपाठी
(b)	भाषा और संवेदना	(ii)	प्रभाकर श्रोत्रिय
(c)	लोकवादी तुलसीदास	(iii)	जगदीश गुप्त
(d)	कविता की तीसरी आँख	(iv)	विजयदेव नारायण साही
		(v)	रामस्वरूप चतुर्वेदी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

39. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		सूची – II	
(a)	रस मीमांसा	(i)	रामविलास शर्मा
(b)	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	(ii)	नन्ददुलारे वाजपेयी
(c)	निराला की साहित्य-साधना	(iii)	रामचन्द्र शुक्ल
(d)	आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा	(iv)	महावीरप्रसाद द्विवेदी
		(v)	हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

40. निम्नलिखित उक्तियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I		सूची – II	
(a)	‘शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्’	(i)	पंडितराज जगन्नाथ
(b)	‘वाक्यं रसात्मकं काव्यम्’	(ii)	मम्मट
(c)	‘रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्’	(iii)	कुन्तक
(d)	‘तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि’	(iv)	भामह
		(v)	विश्वनाथ

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(3)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(4)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं । इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R) है । कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए ।

41. **स्थापना (Assertion) (A)** : रीतिकाल में जन-साधारण का जीवन सामन्ती विलासपूर्ण आकांक्षाओं और भोगपूर्ण शृंगार से ओतप्रोत था ।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए नैतिकता की दृष्टि से जन-साधारण का आचरण और चरित्र दरबारी संस्कृति से अलग नहीं हो पाया था ।

कोड :

(1) (A) गलत (R) सही
(2) (A) गलत (R) गलत
(3) (A) सही (R) सही
(4) (A) सही (R) गलत

42. **स्थापना (Assertion) (A)** : साहित्य एवं कलाएँ वर्ग-हितों का ही प्रतिबिम्बन और प्रतिनिधित्व करती हैं ।

तर्क (Reason) (R) : चूँकि साहित्य की चेतना शासन और सत्ता की विचारधारा से प्रतिबद्ध होती है ।

कोड :

(1) (A) गलत (R) गलत
(2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) सही (R) गलत
(4) (A) सही (R) सही

43. **स्थापना (Assertion) (A)** : बिम्ब अतीन्द्रिय होते हैं ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उनमें ऐन्द्रिकता का होना अनिवार्य है ।

कोड :

(1) (A) सही (R) गलत
(2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) सही (R) सही
(4) (A) गलत (R) गलत

44. **स्थापना (Assertion) (A)** : ह्रदय सहित समाज में उत्पन्न होने वाला हर व्यक्ति 'सहृदय' और 'सामाजिक' होता है ।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए साहित्यशास्त्र में उनके लिए किसी गुण अथवा लक्षणों का उल्लेख नहीं किया गया ।

कोड :

(1) (A) सही (R) सही
(2) (A) गलत (R) गलत
(3) (A) गलत (R) सही
(4) (A) सही (R) गलत

45. **स्थापना (Assertion) (A)** : रस कार्य (कारणजन्य) रूप वस्तु नहीं ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि वह तो विभावादि समूहालम्बनात्मक अनुभव है, न कि विभावादि द्वारा उत्पन्न की गई वस्तु । कारण-ज्ञान और कार्य ज्ञान का एक समय में होना कदापि संभव नहीं ।

कोड :

(1) (A) सही (R) गलत
(2) (A) गलत (R) सही
(3) (A) गलत (R) गलत
(4) (A) सही (R) सही

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **46** से **50**) के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है । उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती । भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति - निवृत्ति को जागरित रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्म-क्षेत्र में शक्ति-भावना को जगाती रहती है । भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है । अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसीके भीतर दिखाई पड़ता है । इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास करना चाहिए । जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी । रागात्मिका वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता । जब मनुष्य के सुख और आनन्द का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौन्दर्य के साथ हो जायेगा, जब उसकी रक्षा का भाव तृणगुल्म, वृक्ष-लता, पशु-पक्षी, कीट-पतंग, सबकी रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जायेगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जायेगा और वह जगत् का सच्चा प्रतिनिधि हो जायेगा । काव्य योग की साधना इसी भूमि पर पहुँचाने के लिए हैं ।

46. कविता की गति कहाँ तक होती है ?

(1) निवृत्ति के मूल तक
(2) प्रवृत्ति और निवृत्ति की भीतरी व्यवस्था तक
(3) प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक
(4) प्रवृत्ति के मर्म तक

47. व्यापक मंगल भाव का संगम कहाँ दिखाई पड़ता है ?

(1) शासन में
(2) भक्ति में
(3) धर्म में
(4) कविता में

48. जीवन में स्वाभाविक सामंजस्य कैसे संभव है ?

(1) रागात्मिका वृत्ति के प्रसार से
(2) सुख और आनंद में
(3) प्रकृति के सौंदर्य में
(4) आत्ममंगल में

49. मनुष्य जगत का सच्चा प्रतिनिधि कैसे बन सकता है ?

(1) मनुष्य के मंगल और शेष प्रकृति के कल्याण-भाव से ।
(2) मनुष्य को सुख-आनंद देने से ।
(3) प्रकृति के रक्षा-भाव से ।
(4) मनुष्येतर प्राणियों के कल्याण से ।

50. 'काव्य-योग की साधना' से आशय है :

(1) वैयक्तिक सुख-दुख
(2) प्रकृति प्रेम
(3) लोकमंगल
(4) रसात्मक अनुभूति

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com